भाकृअनुप–केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में दिनांक 28 दिसम्बर, 2015 को संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों की हिन्दी में कार्य करने की झिझक दूर करने के उद्देश्य से एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डा. पी. जी. कर्मकार जी ने की। इस कार्यशाला में व्याख्यान हेतु श्रीमती रीता भट्टाचार्य, पूर्व मुख्य प्रबंधक, राजभाषा विभाग, यू.बी.आई., प्रधान कार्यालय, कोलकाता को आमंत्रित किया गया था। उक्त हिन्दी कार्यशाला में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता, श्रीमती रीता भट्टाचार्य, पूर्व मुख्य प्रबंधक, राजभाषा विभाग, यू.बी.आई., प्रधान कार्यालय, कोलकाता ने राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम विषयों पर विस्तृत व्याख्यान दिया तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी 2015–16 वार्षिक कार्यक्रम इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी कर्मचारियों को दिया।

संस्थान के निदेशक डा. पी.जी. कर्मकार ने अपने अध्यक्षीय भाषण के अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चूंकि हमारा संस्थान एक वैज्ञानिक शोध संस्थान है इसलिए हमें कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी इसके प्रचार–प्रसार व समुचित व्यवहार के लिए हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि यह ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में और भी अधिक सशक्त हो सके। प्रभागाध्यक्ष, फसल सुरक्षा, डा. जीबन मित्र ने कहा कि हमें हिन्दी में कार्य करने की कोशिश करनी चाहिए। प्रो. दिलीप कुमार दे, पूर्व प्रोफेसर एवं प्रभागाध्यक्ष बी.सी.के.वी., कल्याणी, नदिया ने हिन्दी कार्यशाला के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला से सर्वाधिक लाभ उठाएं तथा हिंदी में यथा संभव कार्यालयीन कार्य करने पर बल दिया। डा. कुणाल मण्डल, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी तथा डा. रीतेश साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी कार्यालय प्रधान ने अपने संबोधन में संस्थान के कर्मचारियों/अधिकारियों से कार्यालयीन कार्य यथासंभव हिन्दी में करने का आग्रह किया।

डा. एस. के. पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी हिन्दी कक्ष ने कार्यालय में राजभाषा विभाग द्वारा विनिर्दिष्ट नीति का पालन करते हुए कार्यशालाओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार–प्रसार पर बल देते हुए प्रशिक्षणार्थियों से अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने का आग्रह किया। हिन्दी कार्यशाला का सफल संचालन डा. सुरेन्द्र कुमार पाण्ड़ेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिन्दी कक्ष ने श्री मनोज कुमार राय, सहायक के सहायोग से किया।

अंत में डा. शशि भूषण चौधरी, वैज्ञानिक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।